

है, जाँघा, हलपत, परिहत 2. बोने की वह प्रक्रिया जिसमें हल की गरारी में बीज डाला जाता है।

कूढ़मग्ज वि. (तद्.+फा.) जिसे कोई बात समझने में बहुत कठिनता हो, मंदबुद्धि, कुंदजेहन।

कूत पुं. (तद्.) 1. वस्तु को बिना गिने, नापे या तौले उसकी संस्था, मूल्य या परिमाण का अनुमान 2. दे. कनकूत।

कूतना स.क्रि. (देश.) 1. अनुमान करना, अंदाज लगाना 2. किसी वस्तु को बिना गिने, नापे या तौले उसकी संख्या, मूल्य या परिमाण का अनुमान करना 3. कनकूत करना।

कूद स्त्री. (तद्.) कूदने की क्रिया या भाव।

कूदना अ.क्रि. (तद्.) 1. दोनों पैरों को पृथ्वी या किसी दूसरे आधार पर से बलपूर्वक उठाकर शरीर को किसी ओर फेंकना, उछलना, फांदना जैसे- वह लडकी रस्सी कूद रही है, वह यहाँ से कूद कर वहाँ चला गया 2. जानबूझ कर ऊपर से नीचे की ओर गिरना जैसे- वह कुँए में कूद गया 3. किसी काम या बात में सहसा आ मिलना जैसे- हमारे बीच मत कूदो 4. क्रम भंग करके एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँच जाना जैसे- तुम तो सातवें स्थान पर थे फिर कूद कर तीसरे स्थान पर कैसे पहुँच गए 5. अत्यंत प्रसन्न होना, खुशी से फूलना 6. बढ़ बढ़ कर बातें करना, शेखी बघारना मुहा. किसी के बल पर कूदना- किसी का सहारा पाकर बहुत बढ़ बढ़ कर बातें करना स.क्रि. (तद्.) उल्लंघन कर जाना, लाँघ जाना, फलाँग जाना जैसे- हनुमान समुद्र कूद गए तो सच्चे रामदूत बन गए।

कूदफाँद स्त्री. (देश.) कूदने या उछलने की क्रिया, उछलकूद।

कूदाकूदी पुं. (देश.) स्त्री।

कूप पुं. (तत्.) 1. कुआँ, इनारा 2. छिद्र, सूराख 3. गहरा गड्ढा, कुंड 4. चमड़े का कुप्पा 4. नदी के बीच की चट्टान 6. नाव आदि बाँधने का खूँटा 7. मस्तूल।

कूपक पुं. (तत्.) 1. छोटा कुआँ 2. चमड़े का बना हुआ तेल या घी रखने का पाल, कुप्पा 3. नाव बाँधने का खूँटा 4. नाव या जहाज का मस्तूल 5. चिंता 6. कूल्हे के नीचे का गड्ढा 7. नौका, नाव 8. छिद्र, छेद।

कूपकच्छप पुं. (तत्.) 1. कुँएँ में रहने वाला कछुआ 2. सीमित जानकारी रखने वाला मनुष्य, कूपमंडूक, अनुभवहीन व्यक्ति।

कूपकार पुं. (तत्.) कुआँ बनाने वाला, कुआँ खोदने वाला, कूपखनक।

कूपखनक पुं. (तत्.) दे. कूपकार।

कूपचक्र पुं. (तत्.) कुँएँ से पानी खींचने की चर्खी, रहट, कूपयंत्र।

कूपन पुं. (अं.) 1. नियंत्रित या सीमित किसी वस्तु को प्राप्त करने की चिट 2. मनीआर्डर फार्म का वह भाग जिस पर रुपया भेजने वाला कुछ समाचार आदि लिख सकता है और जो रुपया पाने वाले के पास रह जाता है।

कूपमंडूक पुं. (तत्.) 1. कुँएँ का मेंढक, कुँएँ में रहने वाला मेंढक 2. वह मनुष्य जो अपना स्थान छोड़कर कहीं नहीं जाता 3. जिसे बाह्य जगत की कुछ खबर न हो, अनुभवहीन व्यक्ति।

कूपयंत्र पुं. (तत्.) दे. कूपचक्र।

कूपयंत्रघटिका स्त्री. (तत्.) 1. कुँएँ से पानी खींचने के यंत्र में लगी छोटी डोल, रहट में लगी डोलची जिनसे पानी क्रमशः गिरता रहता है 2. सांसारिक अस्तित्व की विभिन्न अवस्थाओं को व्यक्त करने का एक न्याय, जिसमें रहट की डोली को क्रमशः ऊँचा-नीचा, भरा खाली, भरता हुआ, खाली होता हुआ आदि स्थितियों के द्वारा सांसारिक स्थिति व्यक्त की जाती है।

कूपी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा कुआँ 2. कुप्पी, बोटल 3. नाभि।

कूबड़ पुं. (तद्.) 1. पीठ का उभार लिए टेढ़ापन 2. किसी वस्तु का टेढ़ापन।

कूबते बाज पुं. (अर.) भुजबल।